nwda.gov.in

जागरण विशेष

आशुतोष शर्मा • नईदुनिया

युवा शक्ति को साथ लेकर महिला सरपंच ने दूर किया जलसंकट

छत्तीसगढ़ में महासमुंद का बेलसोंडा गांव तालाबों के संरक्षण, संवर्धन और हरियाली के लिए किए नवाचारों से अन्य के लिए बना प्रेरणा

महासमुंद: तालाबों के संरक्षण, संवर्धन और हरियाली के लिए किए नवाचारों से छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले का बेलसोंडा ग्राम आसपास के कई गांवों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यहां की युवा सरपंच भामिनि पोखन चंद्राकर ने वर्ष 2020 में गांव के युवाओं की स्वामी विवेकानंद सेवा समिति बनाई थी। इसके बाद गांव में पौधारोपण शुरू किया गया। गांव के कुल 18 तालाबों की मेड़ में बरगद और पीपल के पौधे लगाए गए। बता दें, स्वामी विवेकानंद सेवा समिति में 14 सदस्य हैं।

बेलसोंडा गांव में बीए पास सरपंच भामिनि और युवाओं के सतत प्रयास से पौधे अब पेड़ों में तब्दील होने लगे हैं। शुरुआती वर्ष में पांच सौ से अधिक पौधे इन तालाबों के किनारे में लगाए गए थे। इनमें से अब तक सवा तीन सौ से अधिक पौधे बड़ा रूप ले चुके हैं। समिति ने गांव के सबसे बड़े नवा तालाब में हरियाली बिखेरने का बड़ा काम किया। अब यह तालाब सबसे हराभरा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के कुल 18 तालाबों में से बघमरा व नरईयां तालाब गर्मी में सूखते हैं, शेष सभी में वर्षभर पानी रहता है। पहले गर्मी में बोर खनन पर 150 फीट के बाद पानी मिलता था, लेकिन अब तालाबों की वजह से 100 फीट पर ही मिल जाता है। पुराने कुओं में गर्मी में भी 40 से 50 फीट में पानी रहता है। 71 वर्षीय दुरपति धीवर कहती हैं कि गांव अब भरा रहता है। पेड़-पौधे खूब लगे हैं। पानी को लेकर अब समस्या नहीं है। पेयजल भी सुलभ है और तालाब में भी भरपूर पानी है। घर में नल लगे है। बोरिंग से पानी निकालना अब पुरानी बात हो गई है।

अतिरिक्त आय के लिए मछली पालन

गांव के पंचायत भवन, स्कूल और प्रमुख चौक पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए है। सफाई के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है तो प्रकाश के लिए गलियों और प्रमुख चौक पर सौर प्रकाश की भी व्यवस्था है। पंचायत ने अतिरिक्त आय का साधन भी जुटाया है। जैसे-तालाबों को मत्स्य समूह को लीज पर दिया है।

नवा तालाब के किनारे हरियाली हर किसी का मन मोह लेती है • नईदुनिया

हरियाली बिखेरना, भूजल संवर्धन किसी एक व्यक्ति के लिए संभव नहीं था। गांव की युवा शक्ति ने इसमें भरपूर योगदान दिया। सरकारी योजनाओं से प्लानिंग के साथ तालाब सुधार में कार्य हुए। मेड़ पर हरियाली बिखरी, जिससे अब भूजल स्तर सुधरा है। गांव में अन्य योजनाओं पर भी बेहतर कार्य हुए।

भामिनि पोखन चंद्राकर, सरपंच, बेलसोंडा

मनरेगा से हर वर्ष तालाबों का गहरीकरण: 10 वर्ष पहले गांव में बीएसपीसीएल कंपनी ने मुरम मिट्टी निकालने सड़क किनारे एक तालाब खोदा, शेष 17 तालाबों का पंचायत ने गहरीकरण करवाया है। मनरेगा के तहत हर वर्ष अलग-अलग तालाबों के गहरीकरण का काम होता है, अभी खरखरा तालाब में कार्य जारी है। अभी तालाब में छह से आठ फीट तक पानी है।

गांव में 40 से अधिक महिला समितियां: लगभग 5000 की आबादी वाले गांव 1200 से अधिक घर हैं। गांव में 40 से अधिक महिला समितियां बनी हुई हैं, जो अलग-अलग सामाजिक कार्यों से जुड़ी हुई हैं। इनसे लगभग 400 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। महिलाओं की ये समितियां लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में पूरा सहयोग करती हैं।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।